

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में महिला किसान दिवस का आयोजन, सतत कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर दिया जोर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2026: महिला किसान दिवस के अवसर पर भा.कृ.अ.प. – भा.कृ.अनु.सं, नई दिल्ली में महिला किसानों के कृषि एवं सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों में अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के अलीपुर, हापुड़ और बुलंदशहर जिलों से आई महिला किसानों सहित कुल 227 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 220 महिलाएं एवं 7 पुरुष शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं भा.कृ.अ.प. – भा.कृ.अनु.सं के निदेशक डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव ने महिला किसानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारत की कृषि एवं खाद्य प्रणालियों को मजबूत बनाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने खाद्यान्न उत्पादन में भारत की प्रगति और वैश्विक कृषि व्यापार में देश की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि निराई-गुड़ाई और कटाई से लेकर कटाई के बाद के प्रबंधन एवं विपणन तक, कृषि के प्रत्येक चरण में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उनके इस योगदान को उचित पहचान देना और उन्हें सशक्त बनाना आवश्यक है।

डॉ. राव ने महिला किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने, पोषण वाटिका विकसित करने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने वर्षा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने, वृक्षारोपण करने और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद ने महिला किसानों का स्वागत किया तथा कृषि और सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कृषि मूल्य शृंखला के विभिन्न चरणों में महिलाओं के योगदान को पहचानने और कृषि विकास में उनकी भागीदारी को और सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत महिला किसानों को कृषि निवेश सामग्री वितरित की गई, ताकि उनकी कृषि गतिविधियों को सहयोग मिल सके तथा उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिले।

कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल उपयोग दक्षता, रबी फसलों की उन्नत किस्मों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन हेतु पूसा डीकंपोजर, कटाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन तथा बीज उत्पादन तकनीकों पर जानकारी दी गई। इन सत्रों का उद्देश्य महिला किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और उन्नत तकनीकों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम के दौरान महिला किसानों ने भा.कृ.अ.प. – भा.कृ.अनु.सं के संरक्षित खेती प्रौद्योगिकी केंद्र (सीपीसीटी), एकीकृत कृषि प्रणाली तथा धान, बाजरा और मक्का के प्रक्षेत्रों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों, विविधीकृत कृषि प्रणालियों और वैज्ञानिक फसल उत्पादन पद्धतियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

यह कार्यक्रम वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार, कृषि तकनीकों के हस्तांतरण और संस्थागत सहयोग के माध्यम से महिला किसानों को सशक्त बनाने तथा सतत कृषि एवं सुदृढ़ कृषि-खाद्य प्रणालियों के विकास के प्रति आईसीएआर-आईएआरआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

Press Release

ICAR-IARI Celebrates Women Farmers' Day, Highlights Women's Role in Sustainable Agri-Food Systems

New Delhi, 15 October 2026: On the occasion of Women Farmers' Day, the ICAR-Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New Delhi, organised a programme to recognise the invaluable contributions of women farmers to agriculture and sustainable agri-food systems. Around 220 women farmers' and 7 male farmers from Alipur, Hapur and Bulandshahr districts of Uttar Pradesh participated in the programme.

Addressing the gathering as the Chief Guest, Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI, expressed pride in the contributions of women farmers and highlighted their indispensable role in strengthening India's agricultural and food systems. He noted India's progress in food production and its growing presence in global agricultural trade. Emphasising that women contribute at every stage of agriculture-from weeding and harvesting to post-harvest management and marketing, he underscored the need to recognise their efforts and promote their empowerment. He encouraged women farmers to adopt improved agricultural technologies, undertake value addition, practise kitchen gardening and crop diversification, enhance soil health, address rainfall-related challenges, plant trees and improve water-use efficiency.

Dr. P.S. Brahmanand welcomed the participating women farmers and highlighted the significant role of women in agriculture and sustainable agri-food systems. He emphasised the importance of recognising their efforts and contributions across the agricultural value chain and strengthening their participation in agricultural development.

As part of the programme, agricultural inputs were distributed to women farmers under the Scheduled Caste Sub Plan (SCSP) scheme to support their farming activities and encourage the adoption of improved agricultural practices.

The programme featured technical sessions on water conservation and water-use efficiency, improved varieties of rabi crops, soil health management, Pusa Decomposer for crop residue management, post-harvest management and value addition, and seed production technologies. These sessions aimed to familiarise the participants with scientific approaches and improved farming practices.

As part of the exposure visit, the women farmers visited the Centre for Protected Cultivation Technology (CPCT), integrated farming system facilities and rice, millet and maize farms at ICAR-IARI. The visits provided practical exposure to improved agricultural technologies, diversified farming systems and scientific crop production practices.

The programme reaffirmed ICAR-IARI's commitment to empowering women farmers through scientific knowledge, technology transfer and institutional support, contributing to sustainable agriculture and resilient agri-food systems.



